शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

सिवनी

राष्ट्रबाण

संपादक : संजय बघेल

• वर्ष : 11 • अंक : 180 • पृष्ठ : 06 • मूल्य : 5.00 रुपए

सोमवार 16 नवंबर 2026

E-PAPER: www.rashtrabaan.in

www.facebook.com/rashtrabaan www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

दिसंबर के से शुरू हो सकता है संसद का शीतकालीन सत्र

नईदिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र दिसंबर के पहले हफ्ते में शुरू होने की संभावना है। इस सत्र में केंद्र सरकार महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान संशोधन बिल ला सकती है। इसके तहत परिसीमन के जरिए लोकसभा की मौजूदा सीटें 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 करने का प्रस्ताव है। सरकार का लक्ष्य 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33% आरक्षण देने की व्यवस्था लागू करना है। हालांकि, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्क्रूक्ष) को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच बढ़ते विवाद के कारण इस सत्र में राजनीतिक टकराव भी देखने को मिल सकता है।

3 जवानों की मौत की फर्जी खबर फैलाने वाला गिरफ्तार

कुलगाम। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में 11 नवंबर को हुए आतंकी हमले को लेकर झूठी खबर फैलाने के आरोप में बांदीपोरा पुलिस ने मोमिन उल इस्लाम को गिरफ्तार किया है। आरोपी 'बांदीपोरा वाला' नाम से फेसबुक पेज चलाता था। उसने पोस्ट में दावा किया था कि हमले में सीआरपीएफ के तीन जवान मारे गए हैं, जबकि यह जानकारी गलत थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर फर्जी पोस्ट हटवा दी है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सुरक्षा से जुड़ी खबरों की पुष्टि किए बिना उन्हें सोशल मीडिया पर साझा न करें।

भारत से न्यूयॉर्क का सफर 5 घंटे घटा

नईदिल्ली। एअर इंडिया ने दिल्ली और मुंबई से न्यूयॉर्क के लिए सभी चार रूटों पर सीधी उड़ानें फिर शुरू कर दी हैं। एयरस्पेस से जुड़ी रोक में छूट मिलने के बाद यह फैसला लिया गया है। इससे यात्रियों को रोम में ईंधन भरने के लिए रुकना नहीं पड़ेगा। अब करीब 22 घंटे का सफर घटकर 17 घंटे रह जाएगा। दरअसल, पाकिस्तान का एयरस्पेस बंद होने और मध्य पूर्व में तनाव के चलते एयर इंडिया की कुछ उड़ानों को रोम में तकनीकी ठहराव लेना पड़ रहा था। अब दिल्ली और मुंबई से न्यूयॉर्क के छ्लस्च्य और नेवार्क एयरपोर्ट के लिए नॉन-स्टॉप सेवाएं बहाल कर दी गई हैं।

छत्रपति शिवाजी टर्मिनस स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद शनिवार शाम सुरक्षा एजेंसियों ने बड़े स्तर पर तलाशी अभियान चलाया।

'नक्सली हिंसा से सबसे ज्यादा नुकसान आदिवासियों को हुआ'

पीएम ने कहा- हमने इसका खात्मा किया; जनजातीय समाज के लिए 3 हजार करोड़ की योजनाएं शुरू कीं

नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नक्सली हिंसा ने सबसे ज्यादा नुकसान जनजातीय समाज को पहुंचाया। 2014 में देश के करीब 125 जिले माओवादी और नक्सली हिंसा से प्रभावित थे। हर साल हजारों लोगों और आदिवासियों की जान जाती थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया। नक्सली गरीब परिवारों के बच्चों और बेटियों को उठा ले जाते थे। हमने नक्सलवाद-माओवाद को खत्म किया। इससे अब आदिवासी महिलाओं और परिवारों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ा है। पीएम रविवार को महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने जनजातीय समुदाय के लोगों से बातचीत की। पीएम ने तीन हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। साथ ही मिजोरम में ट्राइबल फ्रीडम फाइटर म्यूजियम का उद्घाटन भी किया।

मोदी दिल्ली में बिरसा मुंडा की जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए, खरताल बजाई

पीएम मोदी, राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने दिल्ली में बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान आदिवासी कलाकारों ने डांस की प्रस्तुति दी। पीएम ने कलाकारों के साथ खरताल भी बजाई। सरकार ने 2021 में बिरसा जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का ऐलान किया था। पीएम मोदी 2023 में बिरसा की जन्मस्थली उलिहातू (खूंटी, झारखंड) गए थे। वे उलिहातू का दौरा करने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री हैं।



पीएम बोले- वंचितों को वरीयता हमारी प्राथमिकता

हमेशा अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई; धार में 1358 करोड़ की सिंचाई परियोजना का लोकार्पण

कुक्षी | एजेंसी
rashtrabaan.in

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- जनजातीय समाज ने हमेशा अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई है। आज भारत अपने इतिहास को, अपने नायकों को स्वदेशी आत्मसम्मान के साथ याद कर रहा है। ये हमारी राष्ट्रीय चेतना में आए बदलाव का परिणाम है। धार के डही में रविवार को जनजातीय सम्मेलन को वर्चुअली संबोधित करते हुए मोदी बोले- वंचितों को वरीयता हमारी प्राथमिकता रही है। हमने 4 करोड़ से अधिक पक्के घर बनाए, 18 हजार गांवों तक बिजली पहुंचाई। आयुष्मान योजना के माध्यम से 1 लाख 75 हजार से ज्यादा आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाए, जिनके जरिए दूरदराज के आदिवासी लोगों तक इलाज पहुंचा। उन्होंने कहा- जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर आज देशभर में 170 से अधिक परियोजनाओं का लोकार्पण और 70 से अधिक प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास किया गया है। देश के अलग-अलग राज्यों में 30 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण हुआ है।

प्रधानमंत्री ने सरकार की दो बड़ी उपलब्धियां गिनाईं



धार में वर्चुअली संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार की दो बड़ी उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा- वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 12-13 बरसों में भारत के 50 करोड़ लोग भीषण गरीबी से बाहर निकले हैं। ये आजादी के बाद देश की सबसे बड़ी उपलब्धि है। सरकार ने जनजातीय कल्याण के लिए जो फैसले लिए, जो योजनाएं बनाईं, उसका ही ये परिणाम है।

पीएम ने कहा- देश की दूसरी उपलब्धि नक्सलवाद, माओवाद से मुक्ति है। 2014 से पहले देश के करीब सवा सौ जिले नक्सलवाद से पीड़ित थे। हर साल हजारों लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती थी। उस जमाने में सरकारों ने आदिवासी भाई-बहनों को उनके हाल पर छोड़ दिया था। सब चुप रहते थे। उनको मतदान तक नहीं करने दिया जाता था। गरीब मां के सामने से उनके छोटे-छोटे बच्चों को नक्सलवादी छीनकर ले जाते थे। हमारे घर की बेटियों को उठा ले जाते थे।

मोदी बोले- पहले लोग छत्तीसगढ़ जाने से डरते थे

प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ के बस्तर का जिक्र करते हुए कहा कि पहले लोग वहां जाने से डरते थे, लेकिन कुछ दिन पहले उन्होंने सुरक्षा बलों के साथ इसी इलाके में दीपावली मनाई। उन्होंने कहा कि आज देश का नेतृत्व आदिवासी समाज की एक बेटी के हाथ में है। मोदी ने कहा कि देश के अलग-अलग राज्यों में करीब 30 हजार करोड़ रुपए की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया है। देश इस समय दो बड़ी उपलब्धियों की चर्चा कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी की लड़ाई में आदिवासी समाज ने अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई।

देशभर में छठ-पूजा, डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया



नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

देशभर में महापर्व छठ का आज तीसरा दिन है, व्रतियों ने पानी में खड़े होकर डूबते सूर्य को अअर्घ्य दिया। अब सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने रविवार को लखनऊ में गोमती नदी के किनारे छठ पूजा की। वहीं, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने सोनिया विहार क्लब में सूर्य को अर्ध्य दिया। उनके साथ दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा और सांसद मनोज तिवारी भी मौजूद रहे।

छठ पूजा के लिए दिल्ली में करीब 1400 घाट पर तैयारियां की गई हैं। भीड़ को देखते हुए रविवार दोपहर 2 बजे से 16 नवंबर सुबह 8 बजे तक यमुना घाटों से सटे रास्तों के पास रूट डायवर्जन लागू रहेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक देश-विदेश से 50 लाख से ज्यादा लोग घर लौटे हैं।

दिल्ली सीएम ने कहा- छठी मैया पीएम मोदी को आशीर्वाद दें

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने कहा- यह बहुत ही शुभ दिन है। एक खुशी का मौका। पूर्वांचल इलाके के हमारे लाखों भाई-बहन, जो दिल्ली में रहते हैं और जिनके योगदान से शहर चलता है, वे यहां यमुना घाटों पर एक साथ छठ का महापर्व मना रहे हैं। मैं छठी मैया के चरणों में प्रार्थना करती हूं कि वे हम सभी पर भारत के लोगों और दिल्ली के निवासियों पर अपना आशीर्वाद बनाए रखें। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आशीर्वाद दें, ताकि उनके नेतृत्व में, हम एक विकसित भारत और एक विकसित दिल्ली बना सकें।

बिहार में 10 हजार घाटों पर छठ पूजा

लाखों लोगों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया; पटना में घाट सजाने गए 3 युवक डूबे

पटना। महापर्व छठ के तीसरे दिन बिहार के 10 हजार से ज्यादा घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं ने डूबते सूरज को पहला अर्घ्य दिया गया। पटना के मिर्जापुर गांव में घाट की सजावट करने गए चार युवक पुनपुन नदी में डूब गए। एक को रेस्क्यू टीम ने बचा लिया है। 3 अभी भी लापता है। इनकी तलाश जारी है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पटना के घाट पर पहुंचे। वहीं, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने घर पर पूजा की। छठ पूजा के लिए करीब 50 लाख लोग दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई जैसे महानगरों समेत दुनिया के कई देशों से बिहार लौटकर आए हैं। इनमें करीब 40 लाख लोग ट्रेन, 10 लाख लोग हवाई जहाज, बस और निजी वाहन से लौटकर बिहार आए हैं।

आईपीएल फाउंडर ललित मोदी अब ब्रिटिश नागरिक : सितंबर में नागरिकता मिली

16 साल से लंदन में हैं; भारतीय नागरिकता 2025 में ही खत्म हो चुकी

नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के संस्थापक ललित मोदी अब भारतीय नहीं ब्रिटिश नागरिक हैं। उन्होंने पोस्ट करके बताया कि 15 सितंबर 2026 को उन्हें ब्रिटिश नागरिकता मिल गई थी। उनकी भारतीय नागरिकता 2 साल पहले ही खत्म हो गई थी। मार्च 2025 में उन्होंने पैसिफिक आइलैंड देश



वानुअतु की नागरिकता ली थी। बाद में वहां के पीएम ने उनका पासपोर्ट कैंसिल करवा दिया था। पीएम ने कहा था कि ललित प्रत्यर्पण से बचने नागरिकता ले रहे हैं। ललित 2010 में लंदन चले गए थे, जब उन पर आईपीएल में वित्तीय अनियमितता, मनी लॉन्ड्रिंग, बिड-रिगिंग जैसे आरोप लगे थे। तब से वे वहीं हैं। ब्रिटिश नागरिकता उनकी तीसरी नागरिकता होगी।

मोदी बोले- दोस्तों के साथ मनाया था जश्न

ललित मोदी ने ङ्क पर लिखा है- ' एक गर्व से भरा पल, एक नया अध्याय। आज, 14 नवंबर को मुझे ऑक्सफोर्ड यूनियन को संबोधित करने का मौका मिला, जहां मैंने एक बहुत ही खास और पर्सनल माइलस्टोन शेयर किया। मैं ब्रिटिश नागरिकता पाकर बहुत गर्व महसूस कर रहा हूं। 15 सितंबर 2026 को परिवार और दोस्तों के बीच मैंने अपनी ब्रिटिश सिटिजनशिप का जश्न मनाया।

इंडिगो की गुवाहाटी फ्लाइट तकनीकी खराबी के चलते पुणे लौटी

पुणे। पुणे से गुवाहाटी जा रही इंडिगो की फ्लाइट रविवार सुबह उड़ान भरने के कुछ देर बाद वापस पुणे लौट आई। विमान का लैंडिंग गियर ऊपर नहीं जा सका था और बाहर ही रह गया। पायलट ने इसकी जानकारी एयर ट्रैफिक कंट्रोल को दी। इसके बाद पुणे एयरपोर्ट पर इमरजेंसी घोषित कर दी गई। विमान में यात्रियों और क्रू मेंबर्स समेत 192 लोग सवार थे। सभी सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने की खबर नहीं है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस और अन्य बचाव दलों को अलर्ट पर रखा गया।

अहमदाबाद में एमडी ड्रग्स की फैक्ट्री पर छापा

राजस्थान से ट्रेनिंग ली, मध्य प्रदेश से सामान मंगवाकर पत्नी-पत्नी बना रहे थे ड्रग्स

नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और सरखेज पुलिस ने रविवार को अहमदाबाद के सरखेज इलाके में एमडी ड्रग्स बनाने वाली एक फैक्ट्री पर छापेमारी की।

फैक्ट्री एक बिल्डिंग के तहखाने में बनाई गई थी। पुलिस ने मौके से करोड़ों रुपए का ड्रग्स बनाने का कच्चा माल जब्त किया गया। इस मामले में मुख्य आरोपी एमएम पठान और उसकी पत्नी को हिरासत में लिया गया है। पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपी आरोपी मुदस्सर ने राजस्थान से ड्रग्स बनाने की ट्रेनिंग ली थी। वहीं, नशीले पदार्थ बनाने का कच्चा माल मध्य प्रदेश के रतलाम से ला रहा था।

पहली डिलीवरी से पहले ही फैक्ट्री पकड़ाई



दंपति पिछले एक महीने से तहखाने में ड्रग्स तैयार कर रहा था। आरोपी मुद्दसर पठान खुद ड्रग्स का आदी है। इसी के चलते तीन साल पहले वह ड्रग्स बेचने लगा था और कुछ समय पहले से ड्रग्स बनाने लगा। हालांकि, पहली डिलीवरी से पहले ही पुलिस ने उसकी फैक्ट्री को जब्त कर लिया। अहमदाबाद जोन-7 के डीसीपी शिवम वर्मा ने बताया कि खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के बाद एनसीबी और पुलिस ने संयुक्त रूप से एक अभियान चलाया था। सरखेज इलाके की बिल्डिंग में छापेमारी की गई। इस दौरान तहखाने से भारी मात्रा में एमडी ड्रग्स बनाना का कच्चा माल जब्त किया गया। मौके से 20 तरह के केमिकल भी जब्त किए गए हैं।

कश्मीर-उत्तराखंड में बर्फबारी, दिल्ली-राजस्थान में बूंदाबांदी : यूपी में कोहरा

उड़ीसा में तीसरे तूफान का अलर्ट; एमपी के 19 शहरों में ठंड

नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

कश्मीर और उत्तराखंड के कई इलाकों में शनिवार की रात बर्फबारी हुई। इससे रविवार को मैदानी इलाकों में ठंड पड़ने लगी है। हिमाचल प्रदेश और लद्दाख में अगले दो दिन बर्फबारी की संभावना है।

दिल्ली और राजस्थान में हुई हल्की बारिश से मौसम में ठंडक आ गई है। दिल्ली के अलावा 10



जिलों में बादल छाए हैं। यहां हल्की बारिश का यलो अलर्ट है।

मध्य प्रदेश के 19 जिलों में पारा 15 डिग्री से कम है। अनूपपुर के अमरकंटक में सबसे कम 10.7 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। इधर, बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में बना कम दबाव का क्षेत्र बन रहा है। इससे 16 नवंबर की शाम तक चक्रवाती तूफान बन सकता है। चक्रवात बना तो इसका नाम 'अकवान' रखा जाएगा। यह नाम ईरान ने सुझाया है। यह एक महीने में बंगाल की खाड़ी से उठा तीसरा तूफान होगा। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से शनिवार को राजस्थान में हल्की बारिश हुई है।

महिला के पहली संपत्ति पर अधिकारी कोलेकर मप्र हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

पति की मौत के बाद दूसरे रिश्ते से पहला अधिकार खत्म नहीं होता

जबलपुर | एजेंसी
rashtrabaan.in

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने महिलाओं के संपत्ति अधिकारों को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि पति की मौत के बाद यदि कोई महिला दूसरा रिश्ता बना लेती है तो इससे पहले पति की संपत्ति में मिला उसका उत्तराधिकार का हक खत्म नहीं होता। बाद में बने संबंधों का पहले से मिले संपत्ति अधिकार पर कोई असर नहीं पड़ता।

शनिवार को जस्टिस प्रणय वर्मा की एकलपीठ ने करीब 37 साल पुराने इस संपत्ति विवाद में दायर सेकंड अपील को खारिज कर दिया। कोर्ट ने महिला को उसके दिवंगत पति की संपत्ति में हिस्सा देने वाले निचली अदालत और जिला कोर्ट के फैसलों को पूरी तरह सही ठहराया।

क्या है पूरा मामला?



यह विवाद सतना जिले की नागौद तहसील से जुड़ा है। विवादित जमीन के मूल मालिक साधुवा के चार बेटे- गोपलिया, लल्ली, साहेबा और रामशेल थे।

पहले पति की मौत और दूसरा रिश्ता: सावित्री बाई की शादी सबसे पहले गोपलिया से हुई थी। वर्ष 1950 में बिना किसी संतान के गोपलिया का निधन हो गया। इसके बाद जातिगत रीति-रिवाजों के तहत सावित्री बाई अपने देवर लल्ली के साथ पत्नी के रूप में रहने लगीं, जिनसे उन्हें एक बेटी भी हुई।

हक से किया वंचित: लल्ली की मृत्यु के बाद सावित्री बाई दूसरे देवर साहेबा के साथ रहने लगीं। इसी दौरान परिवार के अन्य सदस्यों ने आपस में जमीन का बंटवारा कर लिया और सावित्री बाई को उनके एक-तिहाई हिस्से से बेदखल कर दिया। अपने हक के लिए सावित्री बाई ने अदालत का दरवाजा खटखटाया।

37 साल की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद मिली जीत

इस मामले में सावित्री बाई को अपने अधिकार के लिए लंबी कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी।

4 अप्रैल 1989: नागौद के सिविल जज ने सावित्री बाई के पक्ष में फैसला सुनाते हुए संपत्ति में उनका अधिकार माना।

25 नवंबर 1993: जिला कोर्ट ने भी निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा।

1994 से अब तक: इन दोनों फैसलों को चुनौती देते हुए साहेबा उर्फ साहब ने 1994 में हाईकोर्ट में सेकंड अपील दायर की थी। अब हाईकोर्ट ने इस अपील को खारिज करते हुए महिला के संपत्ति अधिकार पर अंतिम मुहर लगा दी है।



मुर्गी पालन कैसे करें

वैसे तो प्रशिक्षण के दौरान मुर्गीपालन का व्यावहारिक ज्ञान भी दिया जाता है फिर भी यह अच्छा होगा कि आप किसी अनुभवी मुर्गीपालक से व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करें। प्रशिक्षण तथा परामर्श से आपको पता चलेगा कि मुर्गी फार्म कैसा होना चाहिए, चूजे कहां से खरीदने हैं, मुर्गी फार्म कैसे बनाएं मुर्गी दाना कैसे बनाया जाये, दाना पानी का बर्तन कैसा हो, मुर्गियों का रखरखाव कैसे करें तथा बीमारियों से बचाने के लिए क्या-क्या आवश्यक उपाय किये जाएं?





आहार व्यवस्था– मुर्गीपालन पर होने वाले खर्च का दो तिहाई खर्च उनको खिलाने के लिए खरीदे गये दानों पर होता है। अतः आप अपने इलाके में उपलब्ध विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों को सही मात्रा एवं उचित अनुपात में मिलाकर संतुलित दाना मिश्रण बनायें तो वह सस्ता होगा। संतुलित दाना मिश्रण विभिन्न प्रकार के अनाज जैसे मक्का, ज्वार, बाजरा, गेहूं आदि खल, सूर्यमुखी की खल, सोयाबीन की खली, सरसों की खल आदि चूरी जैसे भूनी हुई ग्वार की चूरी, मछली का चूरा अथवा मांस का चूरा, खनिज मिश्रण एवं विटामिन आदि को सही मात्रा व उचित अनुपात में मिलाकर बनाया जाता है। इस तरह के संतुलित आहार से मुर्गियों को सभी पोषक तत्व जैसे प्रोटीन, ऊर्जा, खनिज, विटामिन आदि उनकी जरूरत के मुताबिक प्राप्त होगा। जिससे उनके शारीरिक विकास व उत्पादन में वृद्धि होगी यानि आप जल्द से जल्द कम खर्च में ज्यादा मांस एवं अण्डे का उत्पादन कर सकते हैं क्योंकि आहार की मात्रा एवं गुणों का प्रभाव मुर्गियों द्वारा मांस व अण्डों के उत्पादन पर पड़ता है, अतः इन्हें कम लागत वाला संतुलित आहार उचित मात्रा में देकर ही ज्यादा से ज्यादा फायदा लिया जा सकता है। इसलिये चूजों व मुर्गे–मुर्गियों का आहार बनाने और खिलाने पर ही इस व्यवसाय का फायदा या नुकसान निर्भर करेगा। आहार आप खुद ही बनाये। छोटे मुर्गी पालक हाथ से मिलाकर एवं बड़े मुर्गीपालक मशीनों के द्वारा खुद ही दाना तैयार करें। छोटे चूजों के लिए बारीक दाना ठीक होगा। चूजों को हमेशा पर्याप्त मात्रा में दाना उपलब्ध करायें। दाने का बर्तन ऐसा हो जिसमें मुर्गियां दाना आसानी से खा सकें। लेकिन अनावश्यक बर्बादी या उनके अन्दर गंदगी न कर सकें। दाने का बर्तन साफ हो। दाने के साथ स्वच्छ पीने का ताजा पानी भी चूजों को पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करायें। पानी के बर्तन के आसपास अक्सर बिछावन गीला हो जाता है। अतः गीला बिछावन बदल दें। इस बात का ध्यान भी रखें कि चूजे पानी को गंदा न करें।



मुर्गियों के आहार में खाद्य पदार्थों का अनुपात-

मांस उत्पादन करने वाले चूजे जिसे ब्रायलर कहते हैं, तकरीबन डेढ़ महीने में तैयार हो जाते हैं। इनके लिए दाना मिश्रण बनाने के लिए मक्का, बाजरा, गेहूं या सफेद ज्वार 51 प्रतिशत, मूंगफली या सोयाबीन की खली 23.5 प्रतिशत, तिल या सूरजमुखी की खली 10 प्रतिशत, भूनी हुई ग्वार की चूरी 5 प्रतिशत, मछली या मांस का चूरा 8 प्रतिशत तथा खनिज मिश्रण 2.5 प्रतिशत 100 किलो दाना तैयार कर सकते हैं। इस दाना मिश्रण में विटामिन मिश्रण, एंटीबॉयोटिक व काक्सीडियोस्टेट आदि आवश्यकता अनुसार दें अंडे देने वाली मुर्गियों के लिए दाना मिश्रण उनकी उम्र के हिसाब से देना पड़ेगा। जैसे एक दिन से दो महीने की उम्र तक के चूजों के लिए दाना मिश्रण में मक्का, ज्वार, बाजरा या गेहूं 32 प्रतिशत, मूंगफली या सोयाबीन की खली 29.5 प्रतिशत, चावल की पॉलिश 28 प्रतिशत, मछली या मांस का चूरा 8 प्रतिशत एवं खनिज मिश्रण 2.5 प्रतिशत मिलाएं। इसी तरह से बढ़वारी जिनकी उम्र दो से पांच माह तक हो, के दाना मिश्रण में मक्का, ज्वार, बाजरा या गेहूं 22 प्रतिशत, गेहूं का चोकर/ छानस 8 प्रतिशत, शीरा 5 प्रतिशत, मछली या मांस का चूरा 6 प्रतिशत एवं खनिज मिश्रण 2.5 प्रतिशत मिलायें। पांच महीने अर्थात 20 सप्ताह के बाद मुर्गियां अण्डे देना शुरु कर देती हैं। अतः मुर्गियों के दाना मिश्रण में मक्का , ज्वार, बाजरा या गेहूं 32 प्रतिशत, मूंगफली या सोयाबीन का खल 21.5 प्रतिशत, चावल का पॉलिश 29.5 प्रतिशत, शीरा 5 प्रतिशत, मछली या मांस का चूरा 1 प्रतिशत, चूने का पत्थर एवं खनिज मित्रण 3 प्रतिशत मिलायें।

चूजे खरीदना

चूजे हमेशा अच्छी नस्ल के एवं ऐसी हैचरी से खरीदें जिनके चूजे सरकार द्वारा किये गये रैन्डम सैम्पल परीक्षण में खरे उतरे हों। ब्रायलर 6 सप्ताह की आयु में औसतन 2 किलो दाना खाकर डेढ़ किलो वजन तक का हो जाना चाहिए। उसी तरह से अण्डे देने वाली मुर्गियां प्रतिवर्ष 240 से 300 अण्डे देने वाली हो। अच्छी नस्ल का चुनाव, समुचित आहार व्यवस्था व प्रबंधन, रोगों से बचाव, उपचार व नियंत्रण तथा सुनिश्चित विपणन से ही मुर्गीपालन लाभदायक हो सकता है।

इलाज से बचाव बेहतर है। अतः स्थानीय पशु चिकित्सक की सलाह से मरैक्स, रानीखेत, गम्बोरो, चेचक इन्फैक्सीयस ब्रान्काइटस आदि बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण करवायें तथा किसी कारणवश पक्षियों में बीमारी आ जाती है तो तुरंत रोकथाम के लिए स्थानीय पशु चिकित्सालय से सम्पर्क करें।

- कुक्कुट आवास ऐसे स्थान पर बनाएं जहां वर्ष भर आवागमन के साधन उपलब्ध हों। मुर्गी घर मुख्य मार्ग या पक्की सड़क के निकट हो तथा अण्डा/ आहार लाने व ले जाने के लिए वाहन व्यवस्था होनी चाहिए।
- फार्म शहर के निकट तुरंत घनी आबादी व शोर वाले क्षेत्रों से दूर हो।
- कुक्कुट आवास के लिए भूमि नीचे में न हो ओर निकट में तालाब आदि न हो, न ही वहां पर पानी ठहरता हो।
- पानी एवं बिजली की समुचित व्यवस्था हो।
- मुर्गीघर की लम्बाई पूर्व–पश्चिम दिशा में बनाएं।
- मुर्गीघर हवादार हो। धूप व बारिश से बचने के लिए छज्जे लगे होने चाहिए। दरवाजे बाहर की ओर खुलने चाहिए। छत ऐसी बनाएं कि वर्षा का पानी उस पर रुक न सके। गर्मी में अधिक गर्म न हो तथा सर्दी में ठंडी न हो। पक्षियों को सर्दी व गर्मी से बचाने की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।
- फार्म के निकट विपणन सुविधा होनी चाहिए।
- बाल्टी, एग ट्रे आदि हर समान मुर्गीघर में होना चाहिए।
- समय–समय पर बिछावन को पलटने के लिए पंजे की व्यवस्था हो।
- डीप लीटर में आवास स्थान 2.25 वर्ग फुट प्रति पक्षी अवश्य दें।
- पिंजरा प्रणाली में प्रति पक्षी आवास 0.75 वर्ग फुट प्रति पक्षी अवश्य दें।
- 8 सप्ताह तक के चूजों के पालन हेतु 7 वर्ग इंच स्थान, 9–20 सप्ताह के पक्षियों के लिए 1 वर्ग फुट तथा अण्डे देने वाली मुर्गियों को 2 वर्ग फुट स्थान दें।
- 5 सप्ताह की आयु पर चोंच कांटे।
- प्रतिदिन सुबह एवं शाम सावधानीपूर्वक कुक्कुटों का निरीक्षण करें। ताकि रोग आते ही उनकी देखभाल शुरू की जा सके। चूजे फार्म पर आने से पहले सभी 15 उपकरण, ब्रूडर, गार्ड आदि का प्रबंध करें तथा तापक्रम नियमित करें। प्रकाश व्यवस्था भी ठीक रखें।
- प्रथम सप्ताह 95 डिग्री फेरनहाईट दें तथा बाद में प्रति सप्ताह 5 डिग्री कम करते जाए।

जैव सुरक्षा



मुर्गीफार्म पर साफ–सफाई तथा फार्म को रोगाणु रहित इस प्रकार करें।

- शेड के प्रवेश स्थल पर कीटाणुनाशक दवाओं के घोल में पैर धोने के उपरांत ही शेड में प्रवेश करें।
- अगर डीप लीटर सिस्टम से मुर्गियां पाल रहे हैं तो मुर्गियां बिकने के बाद बिछावन पर जंतुनाशक दवाई (जैसे की 5 या 10 प्रतिशत सान्द्रता का फॉरमैलीन) का छिड़काव करें। इसके बाद उसे हटाकर दूर किसी गहरे गड्ढे में दफन कर ऊपर से मिट्टी डाल दें।
- मुर्गियों के पानी, मुर्गी के खाने बर्तन तथा अन्य सामान फार्म से हटायें।
- बिछावन हटाने के बाद जमीन की ऊपरी सतह की मिट्टी खरोंचकर निकालें तथा दूर गहरे गड्ढे में डालकर ऊपर से साफ मिट्टी डाल दें।
- इसके बाद पहले छत की सफाई करें। फिर दीवारों की सफाई करें। बाद में फार्म की जालियां और अंत में बाकी सामान की सफाई करें।

उपयुक्त सुझावों को व्यावहारिक रुप में समझदारी के साथ प्रयुक्त करें तथा कम से कम लागत में ज्यादा से ज्यादा लाभ कमाएं।



गर्मियों में दुधारू पशुओं की देखरेख



- पशु के पोषण में लगभग 70% खर्च होता है. दुग्ध उत्पादन तभी लाभदायी हो सकता है, जब पशुओं को संतुलित आहार मिले तथा उसकी लागत कम आये. हरा चारा दुधारू पशुओं के लिये अमृत के समान है. 6 से 8 लीटर दूध देने वाले पशुओं की आवश्यकता की पूर्ति मात्र पेट भर हरा चारा उपलब्ध कराने से भी की जा सकती है. 1.5 किलो जीविका आहार के साथ पशु की दूध उत्पादन क्षमता के अनुसार बांटा दिया जाना चाहिए. भैंसों में 2 लीटर दूध उत्पादन पर 1 किलो बाटा तथा गायों में 2.5–3.0 लीटर दूध पर 1 किलो बाटा दिया जाना चाहिए.
- पशुओं की अच्छी आवास व्यवस्था भी दूध उत्पादन अच्छा रखने में सहायक होती है. गौशाला इस प्रकार की बनाई जानी चाहिए जिससे सूर्य की किरणें उत्तर की ओर अधिक पड़ें और दक्षिण की ओर कम से कम, जिससे गर्मियों एवं सर्दियों में पशुओं की रक्षा की जा सके. गाय एवं भैंसों के लिये30–35 वर्ग फीट प्रति पशु जगह की आवश्यकता होती है. बाहरी बाड़ा के लिये 20–100 वर्ग फुट स्थान होना चाहिए. पूंछ से पूँछ विधि गौ पशुओं के लिये सबसे अधिक उपयोगी पाई गई है.

इस विधि की विशेषताएं हैं कि गौ शाला की साफ–सफाई अच्छी की जा सकती है. जिससे पशुओं को बीमारी से बचाया जा सकता है. संक्रामक बीमारियाँ आसानी से नहीं फैल पाती हैं. थन एवं अयन की बीमारियों का तुरंत पता लगाया जा सकता है. पशुओं और नालियों की साफ–सफाई अच्छी तरह से की जा सकती है.

- दुधारू पशुओं से अधिक दूध उत्पादन के लिए स्वच्छ पानी की उपलब्धता अत्यंत आवश्यकता है. पशु बिना भोजन के तो रह सकता है. परंतु बिना पानी के नहीं. क्योंकि पानी शारीरिक क्रियाओं के संचालन एवं दूध उत्पादन के लिए आवश्यक है. प्रत्येक दुधारू पशु को लगभग 100 लीटर पानी की प्रतिदिन आवश्यकता होती है.
- दुधारू पशुओं को प्रेम पूर्वक रखना, उनसे अच्छा व्यवहार करना, बाह्य परजीवी जूं किलनी इत्यादि को अलग रखना. क्योंकि बाह्य परजीवी पशु का खून चूसते हैं और दूध उत्पादन क्षमता पर प्रभाव डालते हैं. अतः जब भी मौसम में बदलाव आता है, उस समय बाह्य परजीवी जैसे जूँ और किलनी मारक दवाइयों का प्रयोग करना चाहिए.
- जहाँ तक सम्भव हो दुधारू पशुओं को शोर से दूर रखा जाना चाहिए. शोर का प्रभाव उनकी दुग्ध उत्पादन क्षमता पर पड़ता है.
- अच्छे दूध उत्पादन करने वाले पशुओं की पहचान की जानी चाहिए. जो पशु कम दूध उत्पादन अर्थात 2–3 लीटर दूध देते हैं. उनकी छटनी कर देनी चाहिए. प्रतिवर्ष 15–20 प्रतिशत गौ शाला के पशुओं की छटनी की जानी चाहिए जिससे लगातार अधिक दूध उत्पादन प्राप्त हो सके.
- गौ शाला में एक निश्चित दिनचर्या का पालन किया जाना चाहिए. इसमें बदलाव करने से दूध उत्पादन क्षमता पर प्रभाव पड़ता है. यदि कोई बदलाव करना है तो पशुओं की शुष्क अवस्था में किया जाना चाहिए.
- पशुओं का दूध दुहते समय अच्छा प्रबंध करना चाहिए. यह एक विशेष कार्य है. दोहने वाले व्यक्ति की क्षमता दूध उत्पादन पर बहुत प्रभाव डालती है. दूध निकालने की प्रक्रिया 5–7 मिनिट में पूर्ण हो जानी चाहिए.वरना पशु दूध को रोक सकता है. इसलिए दूध दोहने में जो व्यक्ति पारंगत है उनसे ही दूध निकलवाना चाहिए. इससे पशु की वास्तविक दूध उत्पादन क्षमता का पता लगाया जा सकता है.
- गर्मियों में अधिक दूध देने वाले पशुओं का विशेष प्रबंध किया जाना चाहिए. गाय एवं भैसों को नहलाना, गौ शाला में ठंडा वातावरण रखना, सुबह और शाम को भोजन देना चाहिए. साइलेज का इस्तेमाल, भूसे का यूरिया उपचार किया जाना चाहिए जिससे उत्पादन को गिरने से बचाया जा सके.
- अच्छे दूध उत्पादन के लिये अच्छी प्रजनन क्षमता को बनाये रखना बहुत ही जरूरी है. पशु की उत्पादन क्षमता छटवीं ब्यात तक होती है. आदर्श प्रजनन क्षमता एक बछड़ा/बछिया प्रतिवर्ष है. यदि प्रजनन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया तो किसान को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है. दुधारू पशुओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए. संक्रामक रोगों का टीकाकरण समय रहते अवश्य कराना चाहिए. बाह्य एवं आंतरिक परजीवियों को दूर करने के लिए विशेष ध्यान रखना चाहिए. दुधारू पशुओं में थन एवं अयन की साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए.



राष्ट्रबाण
सिवनी, सोमवार 16 नवंबर 2026

बालाघाट राष्ट्रबाण

● बैहर ● बिरसा ● कटंगी ● तिरोड़ी ● कटंगी ● खैरलांजी ● किरनापुर ● लालबर्रा ● लांजी ● परसवाड़ा ● वारासिवनी

भ्रष्टाचार और षड्यंत्र का पर्दाफाश

बालाघाट की मौदा पंचायत में 19 लाख के गबन का सनसनीखेज मामला, सरपंच पर गिर सकती है गाज

बालाघाट | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

जिले की जनपद पंचायत किरनापुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मौदा इन दिनों भ्रष्टाचार और प्रशासनिक मिलीभगत के एक बड़े खेल को लेकर सुर्खियों में है। पंचायत में विकास कार्यों के नाम पर जनता के खून-पसीने की गाढ़ी कमाई को ठिकाने लगाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जांच में सरपंच और सचिव द्वारा लगभग 19 लाख रुपये के भारी-भरकम गबन की पुष्टि हो चुकी है। खास बात यह है कि यही वही सरपंच है, जिसने कुछ महीने पहले सच की आवाज दबाने के लिए पत्रकारों को साजिश के तहत झूठे मामलों में फंसाने का कुत्सित प्रयास किया था। अब कर्मों का हिसाब सामने आ रहा है और भ्रष्टाचार की परतें उखड़ने लगी हैं।



सच की आवाज दबाने की रची थी साजिश



मनमोहन वैद्य, सरपंच एवं भीम आर्मी जिला महासचिव।



बेनीराम तिल्लासे
ग्राम पंचायत सचिव

यह पूरा मामला केवल वित्तीय भ्रष्टाचार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके तार एक सोची-समझी आपराधिक साजिश से भी जुड़े हैं। ग्रामीणों और जानकारों के बीच चर्चा है कि यही वही मौदा पंचायत का सरपंच मनमोहन वैध है, जिसने कुछ माह पूर्व अपने रसूख और पुलिस के साथ कथित मिलीभगत कर दो पत्रकारों को षड्यंत्र के तहत झूठे मामलों में फंसाया था। उस दौरान तत्कालीन बालाघाट एसपी आदित्य मिश्रा के सामने यह झूठी कहानी गढ़ी गई थी कि ये पत्रकार सीएम हेल्पलाइन 181 में शिकायतें दर्ज कराते हैं और फिर उन्हें बंद करने की एवज में अवैध राशि की मांग करते हैं। सच्चाई यह थी कि सरपंच और सचिव द्वारा किए जा रहे घोटालों और भ्रष्टाचार को जब ये पत्रकार उजागर करने की तैयारी कर रहे थे, तो उनके मुंह को बंद करने के लिए यह गंदा षड्यंत्र रचा गया था। आज वक्त का पहिया घूमा है, और भ्रष्टाचार का वही काला सच खुद सरपंच के गले की फांस बन गया है।

न्याय के लिए हाईकोर्ट जाने की तैयारी

ग्रामीणों ने चेतावनी दे दी है कि यदि जिला पंचायत प्रशासन ने इस गंभीर मामले में लीपापोती करने की कोशिश की या दोषियों को बचाने का प्रयास किया, तो वे चुप बैठने वाले नहीं हैं। शिकायतकर्ता त्रिवेणी बनकर और अन्य 16 ग्रामीणों ने स्पष्ट किया है कि यदि समय रहते जिला पंचायत सीईओ द्वारा कठोर कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई नहीं की जाती है, तो वे न्याय के लिए सीधे माननीय उच्च न्यायालय का रुख करेंगे। मौदा पंचायत का यह मामला प्रशासनिक तंत्र की पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति की एक बड़ी परीक्षा बन चुका है। अब देखना यह है कि खाकी और खादी की आड़ में पनपने वाले भ्रष्टाचार पर जिला प्रशासन कितना सख्त हथौड़ा चलाता है।

19 लाख का गबन, जांच में खुली पोल

ग्राम पंचायत मौदा के जागरूक ग्रामीणों और शिकायतकर्ता त्रिवेणी बनकर समेत 16 ग्रामीणों ने जनपद पंचायत किरनापुर में पंचायत स्तर पर हो रही वित्तीय अनियमितताओं की लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। ग्रामीणों की इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जनपद पंचायत किरनापुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने एक उच्चस्तरीय जांच टीम का गठन किया। टीम द्वारा की गई निष्पक्ष और मैदानी जांच में सरपंच मनमोहन वैध और सचिव बेनीराम तैलासे की कार्यशैली की पोल खुल गई। जांच प्रतिवेदन के अनुसार, पंचायत निधि में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितता, फर्जीवाड़ा और भ्रष्टाचार सत्य पाया गया। दोनों ने अपने पदीय कर्तव्यों का घोर दुरुपयोग करते हुए शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं के करीब 19 लाख रुपये का गबन कर डाला। जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद अब प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मच गया है।

अब जिला पंचायत सीईओ के पाले में गेंद

शिकायत और जांच का दौर पूरा होने के बाद अब जांच प्रतिवेदन जिला पंचायत बालाघाट के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पास पहुंच चुका है। प्रतिवेदन में गबन और वित्तीय अनियमितता प्रमाणित होने के बाद अब पूरे जिले की निगाहें जिला पंचायत प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं। सवाल यह उठ रहा है कि क्या जिला सीईओ इस मामले में महज रिकवरी तक औपचारिकता निभाकर इतिश्री कर लेंगे, या फिर भ्रष्ट सरपंच मनमोहन वैध और सचिव के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया जाएगा? जनता और ग्रामीणों की मांग है कि सरपंच मनमोहन वैध को तत्काल प्रभाव से उसके पद से पृथक किया जाए और इस वित्तीय घोटाले तथा षड्यंत्र के लिए दोनों पर आपराधिक धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर जेल भेजा जाए।

वारासिवनी में जल्द बनेगा नया न्यायालय भवन :

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डी.डी. बंसल ने किया क्षतिग्रस्त भवन का निरीक्षण

बालाघाट | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in



बालाघाट जिले के व्यवहार न्यायालय वारासिवनी में 14 नवंबर 2026 शनिवार शाम 5 बजे न्यायालय के क्षतिग्रस्त भवन को निरीक्षण करने न्यायमूर्ति डी डी बंसल साहब चीफ जस्टिस हाई कोर्ट जबलपुर, प्रानेश कुमार प्राण जिला न्यायाधीश बालाघाट, अविनाश छारी मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी बालाघाट के साथ वारासिवनी न्यायालय पहुंचे। जहां डीडी बंसल साहब ने जिला मुख्यालय के जज एवं वारासिवनी के सभी जजों और अधिवक्ताओं के साथ न्यायालय भवन का निरीक्षण किया और न्यायालय भवन के क्षतिग्रस्त हिस्सों का मरम्मत कराने एवं न्यायालय के लिए नये भवन निर्माण के लिए विचार विमर्श कर, सुझाव लिए गए। जहां संभवतः इसी स्थान पर व्यवहार न्यायालय वारासिवनी का नया भवन निर्माण करने पर चर्चा हुई एवं पुराने भवन के संबंध में छत के ऊपर साफ सफाई कराकर दुरुस्त करने की सलाह दी गई।

निरीक्षण के पश्चात न्यायालय के बार रूम में एक संक्षिप्त बैठक की गई, जहां न्यायालय के सभी जजों एवं अधिवक्ताओं द्वारा हाई कोर्ट जबलपुर से पहुंचे न्यायमूर्ति चीफ जस्टिस डी डी बंसल साहब एवं बालाघाट से पहुंचे प्रानेश कुमार प्राण जिला न्यायाधीश बालाघाट व अविनाश छारी मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी बालाघाट का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया गया तथा संक्षिप्त में चर्चा हुई।

मुख्य रूप से ये रहे उपस्थित

न्यायालय के निरीक्षण के अवसर पर मुख्य रूप से- संजय राज ठाकुर, कविता इनवाती, कमलेश मीणा, अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, दिव्या सिंह, ऋषभ डोनल सिंह, नेहा बाथरी, अंकिता जैन, नयंक जैन, न्यायिक दंडाधिकारी, वरिष्ठ अधिवक्ता बाबूलाल सर्राटे, अधिवक्ता संघ वारासिवनी अध्यक्ष संदीप नगपुरे, सचिव अभिजीत शुक्ला, अतिरिक्त लोक अभियोजक संतोष लिल्हारे, पूर्व अधिवक्ता संघ अध्यक्ष वारासिवनी दिनेश कातरे एवं पूर्व सचिव भेजेन्द्र राहंगडाले, निर्दोष बिसेन, आनंद बिसेन, पंकज पिपलेवार, रणजीत सिंह चौहान, शिशुपाल पारधी, अनामिका शुक्ला, के पी राजवाड़े, पवन गौतम, अमित अग्रवाल, जगदीश बोपचे,हितेश कटरे, रीना मरार, मनीषा जायसवाल, आर एल पगरवार, संदेश इंदुलकर, नितेश श्रीवास, रमेश कोडापे, अखिलेश देशमुख,अतुल भारद्वाज व समस्त अधिवक्ता गण तथा एसडीएम श्रीश प्यासी, एसडीओ पी डब्ल्यू डी, थाना प्रभारी वारासिवनी अनुप सिंह उईके, यीना राहंगडाले यातायात निरीक्षक, अन्य सभी अधिवक्ता एवं न्यायालय के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

लालबर्रा में व्यवहार न्यायालय खोलने की मांग

लालबर्रा अधिवक्ता संघ द्वारा लालबर्रा में जल्द व्यवहार न्यायालय खोलने के लिए न्यायमूर्ति चीफ जस्टिस हाई कोर्ट जबलपुर को ज्ञापन सौंपा गया।

प्रानेश कुमार प्राण जिला न्यायाधीश बालाघाट ने प्रेस मीडिया से चर्चा में कहा कि डी डी बंसल साहब का सरदार पटेल यूनिवर्सिटी में व्याख्यान था। न्यायिक सप्ताह भी मनाया जा रहा है जिसकी शुरुआत की गई है। मैराथन कराया जा रहा है। न्यायमूर्ति चीफ जस्टिस हाई कोर्ट जबलपुर डी डी बंसल साहब मैराथन में शिरकत करेंगे, विनर को प्राइज भी देंगे। न्यायिक सप्ताह का कुछ बजट डेढ़ लाख रुपए का बजट आया है। जिसमें बच्चों को कप, टी शर्ट, साइकिल, बुक व अन्य व्यवस्था के लिए भी दिया जाता है। जनसंवाद कार्यक्रम में सहायक व्यवस्था होती है, मैराथन हो रहा है, मतलब प्रचार- प्रसार ही कहेंगे।

दो साल में पूरा होना था सीवर प्रोजेक्ट, पांच साल बाद भी अधूरा निर्माण

● 172.61 करोड़ की परियोजना में तीन बार बढ़ाई गई समय-सीमा, अब चौथे एक्सटेंशन की तैयारी, एमपीयूडीसी की कार्यप्रणाली और ठेका कंपनी की भूमिका पर उठ रहे सवाल

शहडोल | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in



शहर की सीवरेज परियोजना निर्धारित समय-सीमा से वर्षों पीछे चल रही है। 172 करोड़ 61 लाख रुपये की लागत से तैयार होने वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना का काम दिसंबर 2023 तक पूरा होना था, लेकिन समय-सीमा समाप्त होने के बाद भी निर्माण कार्य अधूरा है। मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी एमपीयूडीसी की निगरानी में गुजरात की निर्माण कंपनी पीसी स्नेहल कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई थी। अब परियोजना की लगातार बढ़ती समय-सीमा और निर्माण की धीमी रफ्तार ने विभागीय कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दो साल का काम, तीन साल की अतिरिक्त मोहलत

जानकारी के मुताबिक सीवरेज परियोजना का कार्यादेश 14 दिसंबर 2021 को जारी किया गया था। अनुबंध के मुताबिक 730 दिनों यानी 24 महीने में काम पूरा कर 15 दिसंबर 2023 तक परियोजना का संचालन शुरू किया जाना था। लेकिन निर्धारित अवधि में काम पूरा नहीं हो सका। इसके बाद निर्माण कंपनी को तीन बार 12-12 महीने की समय-वृद्धि दी गई। इस तरह मूल समय-सीमा के अतिरिक्त 36 महीने की मोहलत मिलने के बावजूद परियोजना पूरी नहीं हो पाई है। अक्टूबर 2026 में कंपनी की ओर से चौथे एक्सटेंशन के लिए आवेदन किए जाने की जानकारी भी सामने आई है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर बार-बार समय बढ़ाने के बावजूद निर्माण कार्य निर्धारित लक्ष्य तक क्यों नहीं पहुंच पा रहा है?

शहर की सड़कें बनीं परेशानी का कारण

सीवरेज परियोजना की धीमी रफ्तार का सीधा असर शहरवासियों की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ रहा है। विभिन्न क्षेत्रों में खोदी गई सड़कों, अधूरे गड्ढों और निर्माण के बाद खराब हालत में छोड़े गए मार्गों से लोगों को आवागमन में परेशानी उठानी पड़ रही है। कई स्थानों पर सड़कें दुर्घटनाओं का खतरा बनी हुई हैं। निर्माण कार्य के दौरान श्रमिकों की जान जाने जैसी घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं। नागरिकों का सवाल है कि विकास के नाम पर शुरू हुई परियोजना आखिर कब तक उनकी परेशानी का कारण बनी रहेगी?

एसटीपी और पंपिंग स्टेशनों का काम भी अधूरा

परियोजना के तहत पाइपलाइन बिछाने के साथ सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) और छह इंटरमीडिएट पंपिंग स्टेशन भी तैयार किए जाने हैं। लेकिन परियोजना के विभिन्न घटकों का काम अभी तक पूरा नहीं हो पाया है। सड़कों की खुदाई के बाद उनका समुचित पुनर्स्थापन नहीं होने से भी लोगों की मुश्किलें बढ़ी हैं। निर्माण की गुणवत्ता और सड़क मरम्मत को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

कार्रवाई क्यों नहीं?

परियोजना में लगातार हो रही देरी के बीच सबसे बड़ा सवाल यह है कि अनुबंध की शर्तों के तहत देरी के लिए जिम्मेदारी तय की गई या नहीं? क्या निर्माण कंपनी पर निर्धारित आर्थिक दंड लगाया गया? यदि लगाया गया तो उसकी जानकारी सार्वजनिक क्यों नहीं की जा रही है? वहीं, एमपीयूडीसी के अधिकारियों की निगरानी और समय-समय पर किए गए कार्य मूल्यांकन की स्थिति भी स्पष्ट होना जरूरी है।

जवाबदेही तय करने की मांग

172.61 करोड़ रुपये की इस परियोजना में सरकारी धन खर्च होने के बावजूद शहर को अब तक अपेक्षित राहत नहीं मिल पाई है। ऐसे में एमपीयूडीसी और जिला प्रशासन को परियोजना की वर्तमान प्रगति, अब तक दी गई समय-वृद्धि के कारणों, ठेका कंपनी पर की गई कार्रवाई और शेष निर्माण कार्य की समय-सीमा सार्वजनिक करनी चाहिए। शहरवासियों को आश्वासन नहीं, बल्कि अधूरे काम को पूरा करने की ठोस समयबद्ध कार्ययोजना चाहिए।

बालाघाट में बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती मनाई गई

बालाघाट। बालाघाट में रविवार, 15 नवंबर को मुख्यालय में आदिवासी समाज और भाजपा ने मिलकर बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती मनाई। अस्पताल चौक पर उनकी प्रतिमा के पास दीप जलाया गया और माल्यार्पण किया गया। तत्कालीन कलेक्टर बी. चंद्रशेखर और नगरपालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर ने प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। वक्ताओं ने उनके जीवन और आंदोलन को याद किया। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा ने जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की रक्षा के लिए जीवनभर संघर्ष किया। उन्होंने अंग्रेजी शासन के खिलाफ भी लड़ाई लड़ी और समाज सुधार के काम किए। वक्ताओं ने कहा कि लोगों को उनके आदर्शों पर चलना चाहिए। बिरसा ब्रिगेड के जिला अध्यक्ष सतेन्द्र इनवाती ने बताया कि जयंती बिरसा ब्रिगेड, आदिवासी विकास परिषद, एसटी, एससी, ओबीसी और अन्य सामाजिक संगठनों ने मिलकर मनाई।

बैहर में मनाया भगवान बिरसा मुंडा का 151वां जन्मोत्सव

जनजातीय गौरव दिवस पर आयोजित हुआ जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम

बालाघाट | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर शनिवार को बालाघाट जिले में 'जनजातीय गौरव दिवस' अत्यंत हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर बैहर के क्रीड़ा परिसर मैदान में एक विशाल जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, जनजातीय समाज के प्रतिनिधियों, विद्यार्थियों और गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के संबोधन का हुआ सीधा प्रसारण

समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देशव्यापी राष्ट्रीय समारोह के संबोधन का सीधा प्रसारण बड़ी स्क्रीन पर दिखाया गया। इसके उपरांत, धार जिले के डही और अलीराजपुर में आयोजित मुख्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम से मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संबोधन को भी उपस्थित जनसमूह ने लाइव सुना। इस दौरान जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत संचालित 30 विद्यालयों एवं छात्रावासों के विद्यार्थियों ने पारंपरिक नृत्य और आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।



विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहा है जनजातीय समाज: भगतसिंह नेताम

कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य भगतसिंह नेताम ने कहा कि जनजातीय समाज ने भगवान बिरसा मुंडा को ईश्वर का दर्जा दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश के महान जनजातीय नायकों को यथोचित सम्मान दे रही है और उनकी गौरवशाली गाथा को पूरी दुनिया के सामने ला रही है। श्री नेताम ने आगे कहा कि डबल इंजन सरकार जनजातीय समाज के चहुंमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प में जनजातीय समुदाय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी।

हितग्राहियों को योजनाओं की सौगात और पट्टे मिले

जनजातीय गौरव दिवस के गरिमामयी अवसर पर विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया :

लाड़ली लक्ष्मी योजना : बैहर की बालिकाओं हेजल एवं इशिका को राशि स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए।

कृषि प्रोत्साहन : कृषि विभाग की ओर से करेली के घनश्याम व आमगांव की हिरो बाई को सरसों बीज, तथा सुंदरवाही के रामसिंह व पंड्रापानी के मानसिंह को चना बीज वितरित किए गए।

वन अधिकार अधिनियम : ग्राम टोपला के माखन सिंह, प्रभु सिंह एवं बजरु सिंह को वन अधिकार पट्टे सौंपे गए। साथ ही, ग्राम जुवाड़ीटोला के लिए सामुदायिक वन अधिकार दावा पट्टा भी वितरित किया गया।

मकड़ी के जाले मिलने पर वार्डन को लगाई फटकार

एसडीएम ने किया बालिका छात्रावास का औचक निरीक्षण,

बालाघाट | संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

कटंगी एसडीएम विजय सिंह यादव ने रविवार को शासकीय सीनियर अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास कटंगी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान छात्रावास में साफ-सफाई की व्यवस्था में लापरवाही पाए जाने पर उन्होंने वार्डन प्रमिला राणा को कड़ी फटकार लगाई और व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री यादव ने सबसे पहले छात्रावास में दर्ज छात्राओं की उपस्थिति की जानकारी ली। वार्डन ने बताया कि छात्रावास 50 सीटर है और सभी सीटों पर छात्राएं दर्ज हैं। हालांकि, निरीक्षण के दिन कुल 50 छात्राओं में से मात्र 12 छात्राएं ही उपस्थित मिलीं। इस पर एसडीएम ने छात्राओं की कम उपस्थिति का कारण पूछा। वार्डन ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में मड़ई मेलों के आयोजन के कारण छात्राएं छात्रावास नहीं पहुंची हैं।

एसडीएम ने निर्देश दिए कि सभी अनुपस्थित छात्राओं से तत्काल दूरभाष पर संपर्क कर उन्हें छात्रावास वापस बुलाया जाए, ताकि 18 नवंबर से प्रारंभ होने वाली परीक्षाओं की तैयारी वे बेहतर ढंग से कर सकें।

साफ-सफाई में लापरवाही पर जताई नाराजगी



एसडीएम श्री यादव ने छात्रावास के डाइनिंग हॉल, रसोईघर, भोजन व्यवस्था, भोजन मीनू, छात्राओं के शयन कक्ष, पेयजल एवं साफ-सफाई की व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान छात्राओं के कमरों सहित छात्रावास के विभिन्न स्थानों पर मकड़ी के जाले लगे पाए गए। इस पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए वार्डन को फटकार लगाई।उन्होंने निर्देशित किया कि छात्रावास में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए तथा प्रत्येक आठ दिन में मकड़ी के जाले हटाने सहित अन्य स्वच्छता संबंधी कार्य अनिवार्य रूप से कराए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि छात्रावास में रहने वाली बालिकाओं को स्वच्छ एवं बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना प्रबंधन की जिम्मेदारी है।

छात्राओं से सीधे संवाद कर जानी समस्याएं

निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री यादव ने छात्राओं से सीधे चर्चा कर भोजन की गुणवत्ता, पेयजल एवं साफ-सफाई की व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। छात्राओं ने व्यवस्थाओं को संतोषजनक बताया। एसडीएम ने छात्राओं से कहा कि छात्रावास में उपलब्ध भोजन, स्वच्छ पेयजल, बेहतर शयन कक्ष एवं साफ-सफाई की व्यवस्था उनका अधिकार है। इन व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

राष्ट्रबाण
सिवनी, सोमवार 16 नवंबर 2026

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

जनजातीय संस्कृति की रंगारंग प्रस्तुतियों ने बांधा समां, रैली में दिखा उत्साह

जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह में शामिल हुए विधायक दिनेश राय मुनमुन, भगवान बिरसा मुंडा को किया नमन

सिवनी| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in



सिवनी विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक दिनेश राय मुनमुन आज लखनादौन के उत्कृष्ट विद्यालय प्रांगण में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में जनजातीय संस्कृति, कला और परंपराओं का अनूठा संगम देखने को मिला, जहाँ जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने मिलकर जनजातीय नायकों के बलिदान को याद किया।

भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ

समारोह का भव्य शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक दिनेश राय मुनमुन, अन्य जनप्रतिनिधियों और विशिष्ट अतिथियों द्वारा धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर और श्रद्धापूर्वक नमन करके किया गया। इस पावन अवसर पर जनजातीय समाज के प्रमुख प्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने विधायक दिनेश राय मुनमुन का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इसके पश्चात, विधायक के करकमलों द्वारा शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया गया, जिससे स्थानीय नागरिकों में भारी उत्साह देखा गया। समारोह के दौरान उपस्थित सभी अतिथियों और नागरिकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रेरणादायी उद्बोधन का लाइव श्रवण किया। इसके बाद, विधायक दिनेश राय मुनमुन ने जनजातीय गौरव, संस्कृति और परंपराओं के प्रतीक स्वरूप आयोजित विशाल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस रैली में जनजातीय वेशभूषा, पारंपरिक नृत्यों और सांस्कृतिक झांकियों ने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया।



सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

जिला स्तरीय कार्यक्रम में क्षेत्रीय कलाकारों तथा छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। लोकगीत, लोकनृत्य और पारंपरिक प्रस्तुतियों के माध्यम से जनजातीय समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। कलाकारों और विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों को उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक सराहा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने आयोजन में जनजातीय संस्कृति के रंग भर दिए और वातावरण को उत्साह एवं उल्लास से भर दिया।





राष्ट्र के प्रति जनजातीय वीरों का योगदान अतुलनीय और अविस्मरणीयः विधायक दिनेश राय

जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक दिनेश राय मुनमुन ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन संघर्ष, महान त्याग और राष्ट्र के प्रति उनके अनूठे समर्पण को विस्तार से स्मरण किया। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की गौरवशाली संस्कृति, समृद्ध परंपराएं और जीवन मूल्य हमारी भारतीय विरासत का एक अभिन्न और महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। देश की स्वतंत्रता और अखंडता के लिए जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों और वीरों द्वारा दिया गया योगदान अतुलनीय एवं अविस्मरणीय है। विधायक दिनेश राय ने आगे कहा, भगवान बिरसा मुंडा जैसे महान क्रांतिकारियों और नायकों का जीवन हम सभी को राष्ट्रप्रेम, आत्म-स्वाभिमान और अन्याय के विरुद्ध डटकर संघर्ष करने की प्रेरणा देता है। जनजातीय समाज का यह गौरवशाली इतिहास देश की अमूल्य धरोहर है, जिसे सुरक्षित रखते हुए नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी का नैतिक दायित्व है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार द्वारा जनजातीय समाज के बहुमुखी विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कृति के संरक्षण के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं पर भी प्रकाश डाला।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

इस जिला स्तरीय भव्य आयोजन के दौरान सिवनी जिले के तमाम शीर्ष प्रशासनिक अधिकारी और प्रमुख राजनीतिक हस्तियां उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष मीना बिसेन, जिला पंचायत अध्यक्ष मालती डहेरिया, भाजयुमो जिलाध्यक्ष योगेश शिवहरे, जिला कलेक्टर अंजू अरुण कुमार, जिला पंचायत सीईओ अंजली शाह, तथा जिला पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इनके अलावा विभिन्न क्षेत्रों से आए जनप्रतिनिधि, भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी, समर्पित कार्यकर्ता, बड़ी संख्या में जनजातीय समाज के गणमान्य बंधु तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी भी समारोह में शामिल हुए और इस ऐतिहासिक दिवस को सफल बनाया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने जनजातीय गौरव को बनाए रखने और समाज के उत्थान के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

हितग्राहियों को वितरित किए विभिन्न योजनाओं के हितलाभ

कार्यक्रम में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के हितलाभ भी वितरित किए गए। लाड़ली लक्ष्मी योजना के आश्वासन पत्र, पेंशन योजनाओं की स्वीकृति तथा मेधावी छात्राओं को लैपटॉप प्रदान किए गए। इसके साथ ही पात्र हितग्राहियों को स्वरोजगारमूलक योजनाओं के तहत विभिन्न हितलाभ वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं आमजन ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दिल्ली से प्रसारित संबोधन तथा धार जिले से प्रसारित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में भगवान बिरसा मुंडा के योगदान को स्मरण करने के साथ जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपराओं, सम्मान, विकास और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया गया।

कुपोषण दूर करने के लिए समन्वित प्रयास करें विभागीय अधिकारी : एसडीएम

कटंगी में महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना स्तरीय अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण समिति की बैठक संपन्न



बालाघाट| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

कटंगी में 15 नवंबर को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व विजय सिंह यादव की अध्यक्षता में महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना स्तरीय अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आंगनवाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं, बच्चों में कुपोषण की स्थिति, पोषण आहार वितरण, गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच, भवन एवं शौचालय निर्माण तथा पेयजल आपूर्ति सहित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गई। एसडीएम ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि बच्चों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में जनपद पंचायत कटंगी की मुख्य कार्यपालन अधिकारी गायत्री कुमार सारथी, महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी पुष्पेंद्र रानाडे, खंड शिक्षा अधिकारी सीएस कुशराम, बीआरसी रविन्द्र हरिनखेड़े, उद्यानिकी विभाग के मृत्युंजय भलावी एवं खंड चिकित्सा अधिकारी विनोद भलावी उपस्थित रहे।

कुपोषित बच्चों की संख्या में आई कमी

बैठक में परियोजना कटंगी में कुपोषण की स्थिति की समीक्षा के दौरान बताया गया कि अगस्त 2026 में 283 बच्चे अति गंभीर कुपोषित श्रेणी में थे, जिनकी संख्या अक्टूबर में घटकर 228 रह गई है। इसी प्रकार मध्यम गंभीर कुपोषित बच्चों की संख्या अगस्त में 1107 थी, जो अक्टूबर में घटकर 962 हो गई है। एसडीएम श्री यादव ने कुपोषित बच्चों के समुदाय आधारित पोषण प्रबंधन एवं मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन कार्यक्रम पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने खंड चिकित्सा अधिकारी को कुपोषित बच्चों के उपचार के लिए एमॉक्सिसिलिन दवा की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा।

आंगनवाड़ी के भोजन की गुणवत्ता से समझौता नहीं

परियोजना कटंगी में संचालित 208 आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों को गर्म पका भोजन उपलब्ध कराने की समीक्षा की गई। बताया गया कि इनमें से 115 स्व-सहायता समूहों द्वारा प्रतिदिन भोजन प्रदाय किया जा रहा है। एसडीएम ने निर्देश दिए कि बच्चों को निर्धारित मात्रा एवं मेनू के अनुसार गुणवत्तापूर्ण और ताजा भोजन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने सभी खंड स्तरीय अधिकारियों को अपने विभागीय भ्रमण के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों एवं स्कूलों का निरीक्षण करने तथा भोजन की गुणवत्ता जांचने के निर्देश दिए। गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को दिए जाने वाले टेक होम राशन (अ।क्र) की गुणवत्ता एवं निर्धारित मात्रा की भी नियमित जांच करने को कहा गया। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि भोजन एवं पोषण आहार वितरण में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित स्व-सहायता समूह को हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

गर्भवती की चारों स्वास्थ्य जांच अनिवार्य

बैठक में गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए गए कि प्रत्येक गर्भवती महिला की प्रसव पूर्व निर्धारित चारों जांच नियमित रूप से कराई जाएं। साथ ही उन्हें आवश्यक दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराई जाएं, ताकि सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित किया जा सके।

मड़ई मेले से लापता युवक का कुएं में मिला शव, सिर में गंभीर चोट के निशान

छिंदवाड़ा में मारपीट के मामले में फरार चल रहा था

छिंदवाड़ा| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in



छिंदवाड़ा के पालामऊ गांव में मड़ई मेले के दौरान दो दिन से लापता 26 वर्षीय युवक का शव रविवार दोपहर को कुएं में मिला। वह शुक्रवार रात मेला देखने गया था, लेकिन घर नहीं लौटा। रविवार को मेले के पास लगे पंडाल के पीछे स्थित बिना मुंडेर के कुएं में उसका शव मिला। पुलिस की प्रारंभिक जांच में आशंका है कि अंधेरे में कुएं में गिरने से युवक के सिर में गंभीर चोट लगी, जिससे उसकी मौत हो गई। उमरानाला चौकी प्रभारी राजेश साहू के मुताबिक, लिंगा निवासी अमित ठाकरे पिता विनायक राव ठाकरे (26) शुक्रवार रात पालामऊ में मड़ई मेला देखने गया था। जब वह घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश की। बाद में चौकी में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई गई। पुलिस भी उसकी तलाश कर रही थी। इसी दौरान रविवार को गांव के एक कुएं में शव पड़े होने की सूचना मिली।

पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद शव को कुएं से बाहर निकलवाया। इसके बाद उसकी पहचान अमित के रूप में हुई। कुआं खाली था। पुलिस के अनुसार, कुएं में गिरने के दौरान युवक का सिर पत्थर से टकराया होगा, जिससे उसे गंभीर चोट आई और उसकी मौत हो गई।

बिना मुंडेर का कुआं, दूसरे युवक के गिरने की भी चर्चा

जिस कुएं में युवक का शव मिला, वह बिना मुंडेर का है। पुलिस को आशंका है कि मेले के दौरान अंधेरे में संतुलन बिगड़ने से युवक कुएं में गिर गया होगा। वहीं, एक अन्य युवक के भी कुएं में गिरने की चर्चा है। पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है। फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

मारपीट के मामले में फरार था युवक

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अमित के खिलाफ मारपीट का एक मामला दर्ज था और वह इसमें फरार चल रहा था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

ट्रेन की टक्कर से बाघ की मौत

बालाघाट। लामटा परियोजना मंडल के अंतर्गत परियोजना परिक्षेत्र वारासिवनी की सीतापठौर बीट के कक्ष क्रमांक 557 स्थित रेलवे के अधिकृत क्षेत्र में 15 नवंबर को एक बाघ मृत अवस्था में पाया गया। प्रारंभिक जांच में बाघ की मौत रेलवे ट्रैक से ट्रेन गुजरने के दौरान उसकी टक्कर लगने से होना प्रतीत हो रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग द्वारा घटनास्थल को सुरक्षित किया गया।

157 छात्रावासों एवं आश्रमों के निरीक्षण के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी

सिवनी| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

जिले में संचालित छात्रावासों एवं आश्रमों में विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की स्थिति का जायजा लेने के लिए कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार द्वारा अधिकारियों को निरीक्षण की जिम्मेदारी सौंपते हुए आदेश जारी किए गए हैं। अधिकारियों द्वारा जिले के कुल 157 छात्रावासों एवं आश्रमों का निरीक्षण किया जाएगा।

जारी आदेश के अनुसार जनजातीय कार्य विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित छात्रावासों एवं आश्रमों के लिए संबंधित अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। अधिकारी आवंटित छात्रावास एवं आश्रमों का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ ही निवासरत छात्र-छात्राओं से संवाद स्थापित करेंगे।

निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों को उपलब्ध सुविधाओं, छात्रावास की व्यवस्थाओं तथा उनकी आवश्यकताओं एवं समस्याओं की जानकारी प्राप्त की जाएगी। अधिकारियों द्वारा निरीक्षण के उपरांत निर्धारित प्रारूप में 20 नवंबर 2026 तक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाना है। कलेक्टर द्वारा अधिकारियों को सौंपे गए दायित्व का गंभीरता एवं समय-सीमा में पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के माध्यम से छात्रावासों एवं आश्रमों में विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बाइक नाले में गिरी, युवक गंभीर घायल, जबलपुर रेफर किया

सिवनी| संवाददाता
राष्ट्रबाण rashtrabaan.in

सिवनी जिले के घंसौर थाना क्षेत्र में मुड़ापार-सुक्कम मार्ग पर रविवार दोपहर करीब 3:30 बजे एक बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे नाले में जा गिरी। हादसे में बाइक सवार अनिल देवगांव (35) गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार, अनिल मोटरसाइकिल से मुड़ापार-सुक्कम मार्ग से गुजर रहा था। इसी दौरान बाइक अनियंत्रित हो गई और वह वाहन सहित सड़क किनारे नाले में जा गिरा। हादसे के बाद वह मोटरसाइकिल के साथ नाले में घायल अवस्था में पड़ा रहा। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी और मदद के प्रयास किए।



एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया, जबलपुर रेफर

सूचना मिलते ही घंसौर पुलिस और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस की मदद से घायल को नाले से निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसौर पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। घंसौर पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसे का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस लगातार लोगों से सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की अपील कर रही है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433